Daily COVID-19 Updates

07 July, 2020

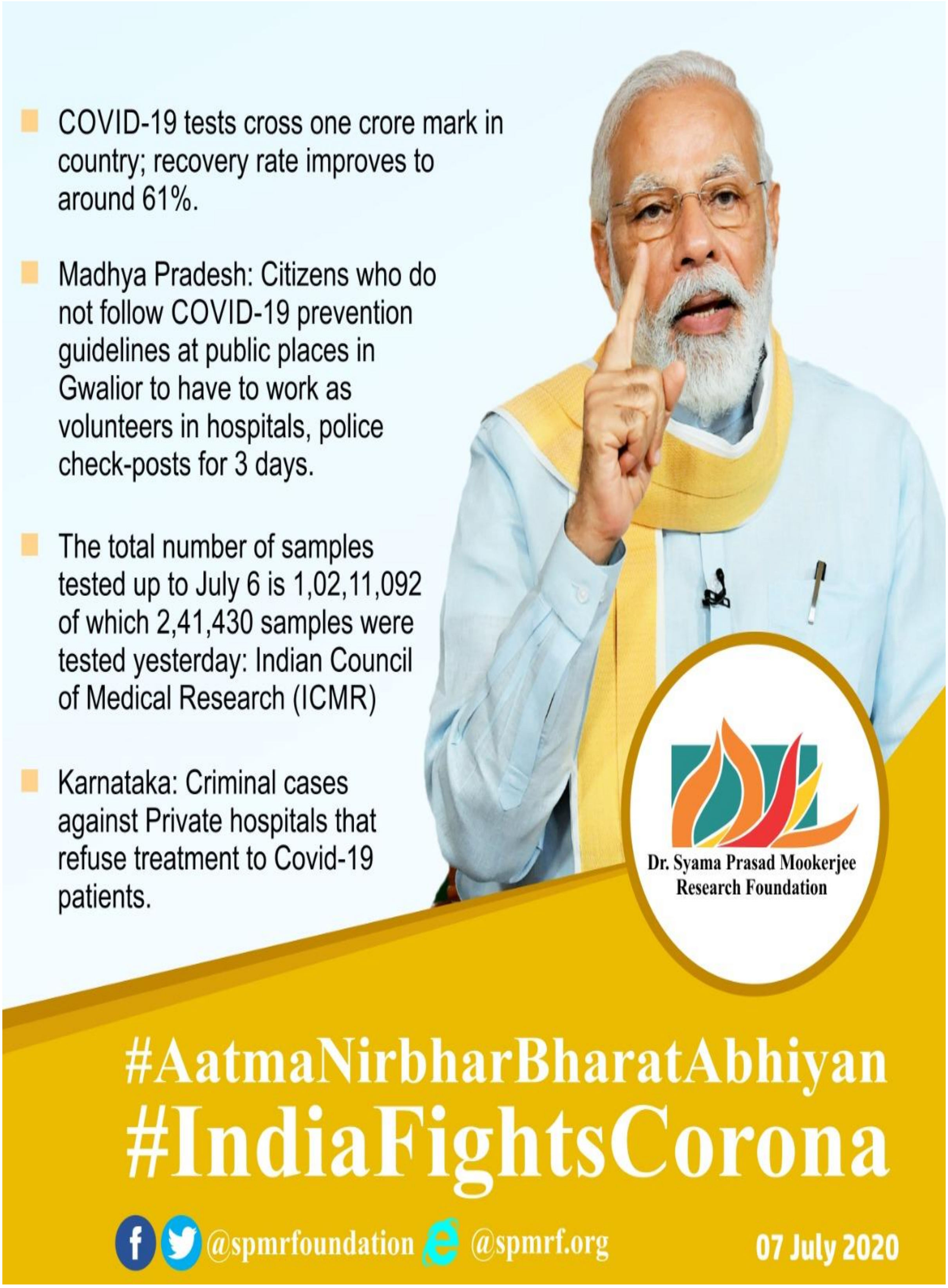

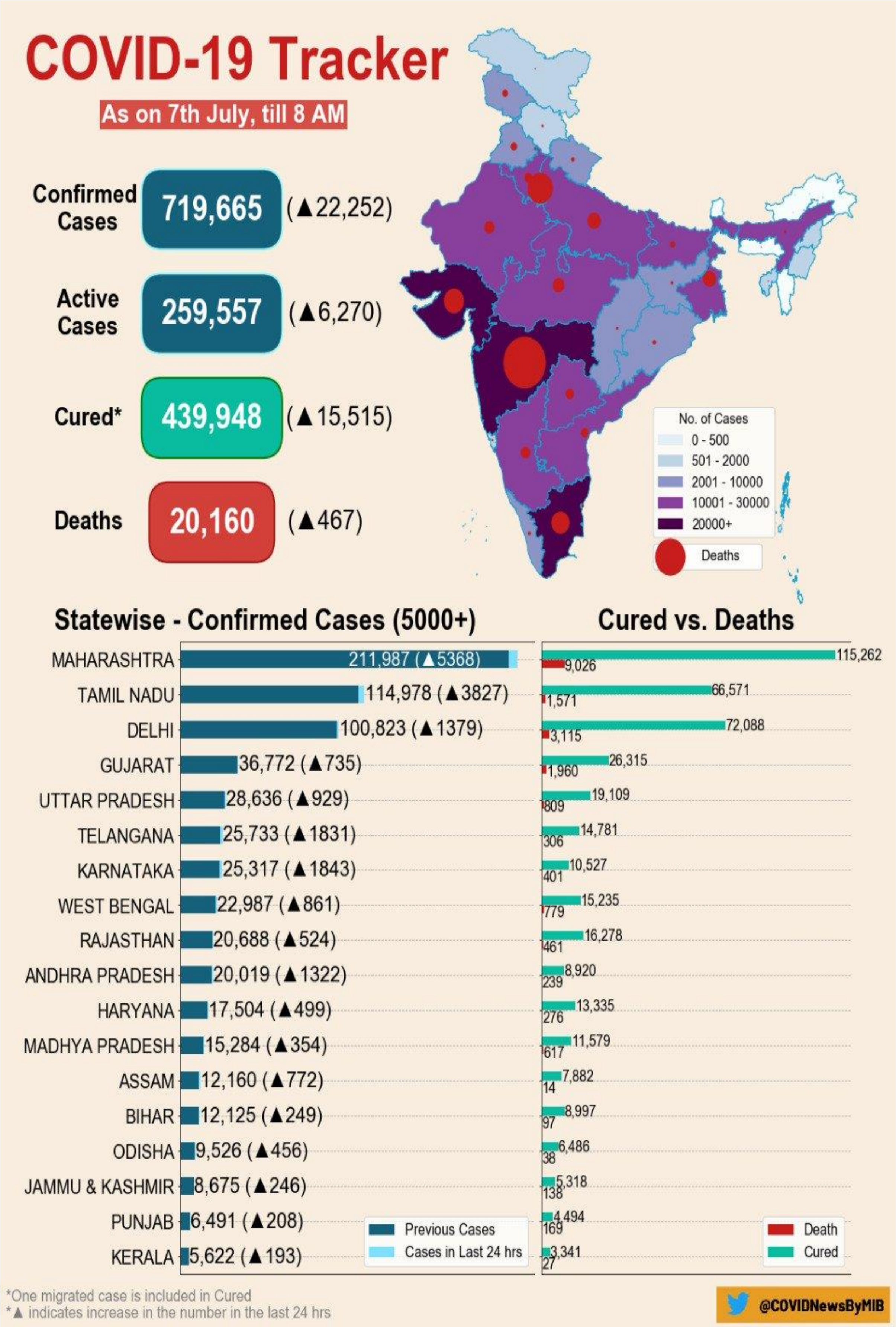
COVID-19 Tracker
As on 7th July, till 8 AM
Confirmed Cases 719,665 (▲22,252)
Active Cases 259,557 (▲6,270)
Cured* 439,948 (▲15,515)
Deaths 20,160 (▲467)
No. of Cases
0 - 500
501 - 2000
2001 - 10000
10001 - 30000
20000+
Deaths
Statewise - Confirmed Cases (5000+)
MAHARASHTRA 211,987 (▲5368)
TAMIL NADU 114,978 (▲3827)
DELHI 100,823 (▲1379)
GUJARAT 36,772 (▲735)
UTTAR PRADESH 28,636 (▲929)
TELANGANA 25,733 (▲1831)
KARNATAKA 25,317 (▲1843)
WEST BENGAL 22,987 (▲861)
RAJASTHAN 20,688 (▲524)
ANDHRA PRADESH 20,019 (▲1322)
HARYANA 17,504 (▲499)
MADHYA PRADESH 15,284 (▲354)
ASSAM 12,160 (▲772)
BIHAR 12,125 (▲249)
ODISHA 9,526 (▲456)
JAMMU & KASHMIR 8,675 (▲246)
PUNJAB 6,491 (▲208)
KERALA 5,622 (▲193)
Previous Cases
Cases in Last 24 hrs
Cured vs. Deaths
115,262 9,026
66,571 1,571
72,088 3,115
26,315 1,960
19,109 809
14,781 306
10,527 401
15,235 779
16,278 461
8,920 239
13,335 276
11,579 617
7,882 14
8,997 97
6,486 38
5,318 138
4,494 169
3,341 27
Death
Cured
*One migrated case is included in Cured
*▲ indicates increase in the number in the last 24 hrs
@COVIDNewsByMIB

आरोग्य सेतु एप बना भारतीयों का रक्षक

भारत सरकार ने 02 अप्रैल, 2020 को कोविड-19 महामारी के रोकथाम की अनेकानेक कोशिशों में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आरोग्य सेतु मोबाइल ऐप लांच किया, जिसका उद्देश्य ब्लूटूथ पर आधारित किसी से संपर्क साधने, संभावित हॉटस्पॉट्स का पता लगाने और कोविड-19 के बारे में प्रासंगिक जानकारी देना है। 26 मई की तारीख तक इस ऐप के 114 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं जो दुनिया में किसी भी अन्य संपर्क साधने वाले ऐप के उपयोगकर्ताओं से ज्यादा है। यह ऐप 12 भाषाओं और एंड्रॉयड, आईओएस एवं केएआईओएस प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। देशभर में नागरिक आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल अपने आपको, अपने चाहने वालों और राष्ट्र को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं। बहुत से युवा इस ऐप को अपना अंगरक्षक भी मानते हैं।

इस आरोग्य सेतु की प्रमुख खासियत पारदर्शिता, निजता तथा सुरक्षा रहा है और भारत की ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर नीति की तर्ज पर आरोग्य सेतु के सोर्स कोड को अब सार्वजनिक कर दिया गया है। इस एप्लीकेशन के एंड्रॉयड वर्जन के लिए सोर्स कोड को समीक्षा और सहकार्य के लिए https://github.com/nic-delhi/AarogyaSetu_Android.git.The पर उपलब्ध करा दिया गया है। इस एप्लीकेशन के आईओएस वर्जन को अगले 2 सप्ताह के भीतर ओपन सोर्स के रूप में जारी कर दिया जाएगा और इसके बाद सर्वर कोड को भी जारी कर दिया जाएगा। आरोग्य सेतु ऐप के लगभग 98% उपयोगकर्ता अभी एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म पर हैं।

डेवलपर समुदाय के लिए सोर्स कोड को सार्वजनिक कर देना हमारे पारदर्शिता और सहयोग के सिद्धांत के प्रति अनवरत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आरोग्य सेतु का विकास सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और नागरिकों के बीच सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह हमारे देश के प्रतिभावान युवा प्रौद्योगिकीय विशेषज्ञों के कठिन मेहनत का फल भी है जिन्होंने इस विश्व स्तरीय उत्पाद को बनाने के लिए रात दिन काम किया है। आम लोगों (पब्लिक डोमेन) के लिए इस सोर्स कोड

को जारी करने के साथ ही हम सहयोग बढ़ाने और प्रतिभावान युवाओं और देश के नागरिकों के बीच मौजूद सर्वोच्च प्रौद्योगिकीय विशेषज्ञता का लाभ उठाने और सामूहिक रूप से इस महामारी का मुकाबला मिलकर करने में शामिल अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के काम में मदद करने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित प्रौद्योगिकी समाधान बनाने की दिशा में अग्रसर है।

यह ऐप कोविड-19 के खिलाफ विशेषताओं का एक समग्र समूह है और यह अपने लॉन्च के 8 सप्ताह के भीतर कई मामलों में प्रथम साबित हुआ है। जब हम लाक्षणिक खाका बनाते हुए इस महामारी विज्ञान के नए आंकड़ों को देखते हैं तो वैश्विक स्तर पर कोविड-19 के संक्रमितों से संपर्क साधने और स्वयं आकलन करने के अन्य संसाधनों की तुलना में इस ऐप की पहुंच और प्रभाव संभवतः सबसे अधिक है। इस ऐप के 114 मिलियन से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं में से दो-तिहाई उपयोगकर्ताओं ने खुद ही कोविड-19 का शिकार होने के जोखिम का पता लगाने के लिए अपना आकलन परीक्षण किया। इसके लगभग 500,000 ब्लूटूथ संपर्कों की पहचान करने में मदद मिली है। जिन लोगों की पहचान कोविड-19 पॉजिटिव मामलों के ब्लूटूथ संपर्क या जिनका उनके आकलन के आधार पर मदद पहुंचाने की जरूरत के रूप में वर्गीकृत किया गया, उन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण संपर्क करता है। अब तक इस ऐप ने 9,00,000 से अधिक उपयोगकर्ताओं तक संपर्क साधा और उन्हें क्वॉरेंटाइन होने, सावधानियां बरतने और जांच कराने की सलाह देने के रूप में मदद की। कोविड-19 के लिए जांच कराने हेतु जितने लोगों को इस ऐप के जरिए सलाह दी गई उनमें से लगभग 24% लोगों में कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। इसकी तुलना 26 मई की तारीख तक कुल 31,26,119 लोगों की जांच में से 1,43,380 लोगों में कोविड-19 पॉजिटिव यानी कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने की दर कुल मिलाकर लगभग 4.65% से की जा सकती है। इससे साफ है कि संपर्क साधने के इस ऐप से उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है जिन्हें जांच कराने की जरूरत है और इस तरह इस महामारी को काबू करने के लिए सरकारी प्रयासों में तेजी लाने में मदद मिल रही है।

Positive India:

1. India Coronavirus News Updates: भारत में कोरोना के मामले 7 लाख के पार, 4.39 लाख हुए ठीक- https://www.jagran.com/news/national-india-coronavirus-news-updates-7-lakh-patients-of-coronavirus-in-india-20483228.html

2. हैदराबाद: कोरोना वायरस से मरे लोगों के लिए नागरिक निकाय 4 शमशान घाट का करेगा नवीनीकरण- https://www.jagran.com/news/national-hyderabad-civic-body-to-refurbish-14-crematoriums-for-covid-19-funerals-20483455.html

3. हैदराबाद में 95 वर्षीय महिला ने दी कोरोना को मात, गांधी अस्पताल से मिली छुट्टी- https://www.jagran.com/news/national-94-year-old-woman-in-hyderabad-recovers-from-covid19-20483089.html

4. माइलेन को मिली रेमडेसिविर को भारत में बनाने और बेचने की अनुमति, जानें कितनी होगी कीमत- https://www.jagran.com/news/national-mylan-nv-gets-dcgi-nod-for-remdesivir-manufacture-in-india-to-launch-at-rs-4800-per-vial-20481122.html

5. ग्वालियर में बिना मास्क के 16 को पकड़ा, आठ से कराई कोरोना ड्यूटी, खुद मैदान में उतरे कलेक्टर- https://www.jagran.com/news/national-not-wearing-mask-in-gwalior-madhya-pradesh-work-as-volunteer-in-hospital-20480063.html

6. Coronavirus Vaccine: कोरोना वायरस के अंत की शुरुआत, दो वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल सुखद संकेत : वेंकटेश्वरन- https://www.jagran.com/news/national-beginning-of-the-end-of-coronavirus-pandemic-says-scientist-in-article-20479276.html

7. गृह मंत्रालय ने दी विश्वविद्यालयों को परीक्षांए कराने की अनुमति, यूजीसी जल्द जारी करेगा परीक्षा तिथियां- https://www.livehindustan.com/career/story-home-ministry-has-given-permission-for-examinations-to-universities-ugc-will-release-exam-dates-soon-3331653.html

8. Karnataka: Criminal Cases Against Private Hospitals That Refuse Treatment To Covid-19 Patients- https://swarajyamag.com/news-brief/karnataka-criminal-cases-against-private-hospitals-that-refuse-treatment-to-covid-19-patients

9. Coronavirus vaccine: Three companies now in late stage trials- https://www.livemint.com/companies/news/coronavirus-vaccine-three-companies-now-in-late-stage-trials-11594102898929.html

10. Karnataka govt issues notice to Apollo Hospitals for overcharging for Covid-19 test- https://www.livemint.com/news/india/karnataka-govt-issues-notice-to-apollo-hospitals-for-overcharging-for-covid-19-test-11594042048628.html

India Fights Corona (Updates):

भारत में पिछले 24घंटे में कोरोना के 22,252मामलों, 467मौतों के साथ देश में COVID19 मामलों का आंकड़ा 7लाख के पार। देश में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 7,19,665 है जिसमें 2,59,557 सक्रिय मामले, 4,39,948 ठीक/डिस्चार्ज/विस्थापित मामले, 20,160 मौतें शामिल हैं:स्वास्थ्य मंत्रालय

6 जुलाई(कल) तक कुल 1,02,11,092 सैंपल का टेस्ट किया गया जिसमें से 2,41,430 सैंपल का टेस्ट कल किया गया: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद(ICMR)

झारखंड में 39 नए COVID-19 मामले दर्ज़ किए गए। कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 2,854 और मरने वालों की संख्या 20 हुई: राज्य स्वास्थ्य विभाग

राजस्थान में पिछले 24 घंटों में 524 नए कोरोना मामले और पांच मौतें रिपोर्ट हुईं। कुल मामलों की संख्या 20,688 और मरने वालों की संख्या 461 हो गई है। सक्रिय मामलों की संख्या 3,949 है: राज्य स्वास्थ्य विभाग

पिछले 24 घंटों में गुजरात में COVID19 के 735 पॉजिटिव मामले और 17 मौतें रिपोर्ट हुईं। राज्य की रैली 36,858 तक बढ़ गई जिसमें 26,323 ठीक/डिस्चार्ज और 1,962 मौतें शामिल हैं: राज्य स्वास्थ्य विभाग

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 1379 नए मामले सामने आने के बाद COVID19 मामलों ने 1 लाख का आंकड़ा पार किया। कुल मामलों की संख्या 1,00,823 हुई जिनमें 72,088 रिकवर/ विस्थापित /डिस्चार्ज और 25,620 सक्रिय मामले शामिल हैं। आज 48 लोगों की मौत के बाद मृत्यु दर 3,115 पर है: दिल्ली सरकार

विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा कि कोरोनावायरस से उत्पन्न स्थिति ने डिजिटल कूटनीति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत इस मोर्चे पर अग्रणी रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन संवाद को बढावा देकर चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया है।

मध्य प्रदेश में ग्वालियर के सार्वजनिक स्थानों पर कोविड19 रोकथाम के दिशा-निर्देश न मानने वालों को स्वयं सेवक के रूप में अस्पतालों और पुलिस चेक पोस्टों पर तीन दिन के लिए काम करना होगा।

कर्नाटक सरकार ने अंतर्राज्यीय यात्रियों के लिए नये क्वारंटीन नियमों की घोषणा की है।अन्य राज्यों से कर्नाटक आने वाले लोगों को 14 दिन के लिए होम क्वारंटीन में रखा जायेगा।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कोविड19 रोगियों को उपचार के लिए पहला प्लाज्मा बैंक बनाया गया है।

कर्नाटक में आज कोविड-19 संक्रमण के 1843 नये मामले सामने आये.

देश में कोविड-19 की जांच एक करोड तक पहुंची। स्वस्थ होने की दर 61 प्रतिशत के आसपास

कोरोना वायरस पर केन्द्रित आलेख के मुख्य बिंदु

केंद्र सरकार ने संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही कोरोना का सामना करने के लिए पूरे देश को किया एकजुट

कोविड-19 महामारी के संकट में भले ही यहां-वहां कुछ बेसुरे राग सुनाई पड़े हों, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारतीयों ने अनुशासन और एकजुटता के साथ इस आपदा का सामना किया है। इस गाढ़े वक्त में जिस किस्म का नियोजन और आत्मविश्वास दिखाई पड़ रहा वह हमारे विविधता भरे और बहस प्रिय समाज में दुर्लभ ही दिखता है। कोरोना जैसे अदृश्य दुश्मन का सामना करने के लिए एक संयुक्त कमान बनाने की प्रतिबद्धता ने केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, केंद्र और राज्य स्तर के सभी संस्थानों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और स्वास्थ्यकर्मियों को एकजुट कर दिया है, जिसमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री अग्रिम मोर्चे से कमान संभाले हुए हैं। पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से कुछ ऐसे स्वर उभरे जिनसे लगा कि इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों का केंद्र के साथ तालमेल सही नहीं। स्थिति को सुगम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ कई बार ऑनलाइन बैठकें कर उनकी समस्याएं समझने का प्रयास किया। यह उस सहकारी संघवाद की भावना को ही रेखांकित करता है जिसकी यदाकदा चर्चा होती रहती है। यह बात अवश्य याद रखी जानी चाहिए कि किसी संकट से निपटने के मामले में एकरूपता कायम रखने के लिए संविधान केंद्र सरकार को विशेष अधिकार प्रदान करता है। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में कोरोना के लिहाज से संवेदनशील कुछ जिलों की पड़ताल के लिए केंद्र द्वारा भेजी गई टीमों पर आपत्ति जताई .लेकिन केंद्र ने संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही ये कदम उठाए, जिसकी बुनियाद सात दशक पहले डॉ. आंबेडकर और उनके साथियों ने रखी थी।

Source: https://www.jagran.com/editorial/apnibaat-central-government-unites-entire-country-to-face-corona-under-constitutional-system-20356520.html

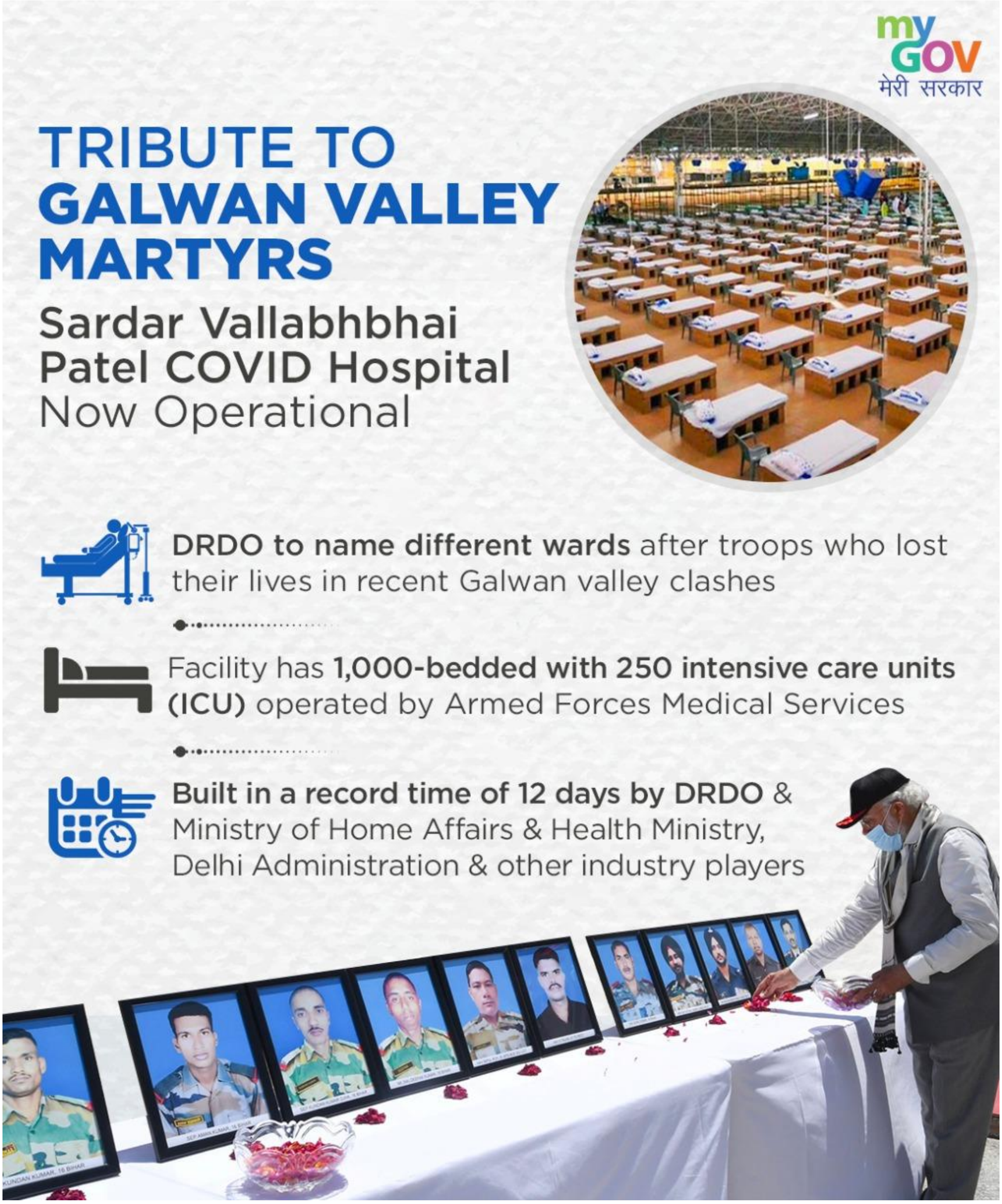

Prepared by:

Adarsh Tiwari

Abhay Singh

Manujam Pandey